

# शिक्षक ने अपने वेतन से बदली स्कूल की तस्वीर

## इनसे सीखें

गोण्डा | कमर अब्बास

सरकारी स्कूलों का नाम सुनते ही नाक-भौं सिकोड़ने वाले ज़रा करनैलगंज का प्राथमिक विद्यालय धौरहरा आकर देखें। अपनी मेहनत और ईमानदारी के साथ एक शिक्षक ने इस सरकारी स्कूल का कायाकल्प कर दिया है।

अब यह स्कूल गूगल मैप पर चमकने के साथ प्रदेश के आदर्श प्राथमिक विद्यालय का पुरस्कार भी हासिल कर चुका है। यह कमाल यहां के युवा शिक्षक रवि प्रताप सिंह का है जिन्होंने अपनी सैलरी से बचाए दो लाख रुपये खर्च करके स्कूल में कई सुविधाएं शुरू कराईं।

**प्राइमरी स्कूल को दी कॉन्वेंट जैसी रंगत:** करनैलगंज के धौरहरा प्राइमरी स्कूल में शिक्षक रविप्रताप सिंह ने 24 अगस्त 2013 को यहां की जिम्मेदारी

## आदर्श स्कूल, आदर्श गतिविधियां

इस स्कूल में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का अनोखा अभियान चलाया। डाल्फिन क्लब का गठन किया और स्वच्छ गंगा मिशन एवं लखनऊ पर्यावरण संरक्षण केंद्र के सहयोग से वर्ल्ड के गूगल मैप पर स्कूल को चमकाया। अमेरिका के कैरोलिना से टरटल सर्वाइकल एलाइंस और कनाडा टीम ने यहां का दौरा किया।

संभाली। स्कूल की टूटी फर्श और दीवारों के उखड़े प्लास्टर ने उन्हें झकझोर दिया। वे तभी से बदलाव में जुट गए। पहले स्कूल को दुरुस्त करा रंग-रोगन कराया और कॉन्वेंट सरीखी क्लास बनाई। उस वक्त यहां 138 बच्चे थे। अब 214 हैं।



करनैलगंज के धौरहरा विद्यालय में बच्चों को पढ़ाते शिक्षक रवि प्रताप। • हिन्दुस्तान